COPYRIGHT RESERVED

2021

Time : 3 hours

Full Marks : 100

Pass Marks : 45

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें ।

The figures in the margin indicate full marks.

उपांत के अंक पूर्णांक के द्योतक हैं ।

*Answer **all** questions.*

सभी प्रश्नों के उत्तर दें ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 15×3 = 45

(क) 'बिहारी शृंगार रस के सिद्ध कवि हैं' — इस कथन की समीक्षा कीजिए।

(ख) घनानन्द की प्रेम भावना का परिचय दीजिए।

(ग) रीतिमुक्त कवियों में से किसी एक कवि के काव्य — वैशिष्ट्य पर विचार करें।

(घ) मतिराम के काव्य सौष्ठव की समीक्षा करें।

(ङ) जगन्नाथ दास रत्नाकर का काव्यात्मक परिचय दें।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

10×3 = 30

(क) दृग उरझत टूटत कुटुम जुरत चतुर चित्त प्रीति
परिति गांठि दुरजन हियै, दई नई यह रीति।

(ख) नहिं पराग नहीं मधुर मधु, नहिं विकास यहि काल।
अली कली ही सौ बंध्यों, आगे कौन हवाल।

(ग) घनआनंद जीवनदायक हौ कछु मेरियौ पीर हिये परसौ।
कवहूँ बा बिसासी सुजान के आँगन मा अँसुवानहिं हों।

(घ) तुम कौन धौं पाटी पढ़े हो लला
मन लेहु, पै देहु छँटाक नहीं।

(ङ) कुंदन को रंग फीको लगै झलकै,
अति अंगन चारु गुराई।
अँखिवन में अलसानि चितौनि में
मंजु विलासन की सरसाई।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखें :

$5 \times 3 = 15$

(क) पद्माकर

(ख) ठाकुर

(ग) घनानन्द

(घ) जगन्नाथ दास रत्नाकर

(ङ) देव

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का भावार्थ लिखें : $5 \times 2 = 10$

(क) मेरी भव बाधा हरौ राधा नागरि सोइ।
जा तन की झांई परै स्याम हरित-दुति होइ।

(ख) पाँयनि नूपुर मंजु बजै,
कटि किंकिनि में धुनि की मधुराई।
साँवरे अंग लसै पट-पीत,
हिये हुलसै बनमाल सुहाई।

(ग) साँझ ही सिंगार साजि प्रान घोर पास जाति।
बनिता बनक बनी बेलि सी आनंद की।